सवाल | बंगवार खदान हादसे में 'मैनेजमेंट' की सियासत पर उठे तीखे सवाल

# मौत पर लीपापोती का खेल

**नवभारत, धनपुरी।** एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की बंगवार भूमिगत खदान में मेंटेनेंस कार्य के दौरान बिजली के पोल से गिरकर ठेका श्रमिक मोहे लाल सिंह की हुई दर्दनाक मौत का मामला अब ठंडा पड़ता नजर आ रहा है। लेकिन इस खामोशी के पीछे जो चर्चाएं तेज हो रही हैं, वे कहीं ज्यादा गंभीर और चिंताजनक हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या एक मजदूर की जान इतनी सस्ती है कि कुछ समय बाद सबकुछ 'मैनेज' कर दिया जाए?

ग्राम डोंगरा टोला निवासी 43 वर्षीय मोहे लाल सिंह की मौत ने जिस तरह पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था, अब वही मामला धीरे-धीरे फाइलों में दबता दिख रहा है। सूत्रों का दावा है कि जांच पूरी होने से पहले ही 'सेटिंग' का खेल शुरू हो गया है। आरोप लग रहे हैं कि जिम्मेदार अधिकारी मामले को शांत करने और संभावित कार्रवाई से बचने के लिए पर्दे के पीछे लोगों को साधने में जुटे हैं। अगर यह सच है, तो यह न केवल एक परिवार के साथ अन्याय है, बल्कि पूरे श्रमिक वर्ग के विश्वास पर भी गहरी चोट है। घटना के वक्त जो तथ्य सामने आए थे, वे साफ तौर पर सुरक्षा में भारी लापरवाही की ओर इशारा करते थे।

मजदूरों और स्थानीय लोगों का आरोप था कि बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के ऊंचाई पर काम कराया जा रहा था। न हेलमेट, न सेफ्टी बेल्ट और न ही अन्य जरूरी इंतजाम—ऐसे हालात में हादसा होना केवल समय की बात थी। लेकिन अब इन गंभीर सवालों पर जवाब देने के बजाय मामले को ठंडे बस्ते में डालने की कोशिशें हो रही हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि एक परिवार का सहारा छिन गया, लेकिन जिम्मेदारों के चेहरे पर शिकन तक नजर नहीं आ रही। उल्टा, चर्चा यह है कि कुछ 'खास लोगों' को साधकर पूरे प्रकरण को दबाने की कवायद चल रही है। क्या यही है एक सार्वजनिक उपक्रम की संवेदनशीलता? क्या मजदूरों की जिंदगी की कीमत सिर्फ कागजी मुआवजे और अंदरखाने समझौतों तक सीमित रह गई है? यह मामला अब सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल बन चुका है।

### पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो

अगर आज एक मौत को यूं ही दबा दिया गया, तो कल फिर कोई मोहे लाल सिंह इसी लापरवाही की भेंट चढ़ सकता है। जरूरत है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो, दोषियों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जाए और श्रमिक सुरक्षा के नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी, तब तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन और प्रबंधन सच का सामना करते हैं या फिर एक और मजदूर की मौत कागजों में दफन होकर रह जाएगी।

## बारात की विदाई के दौरान आकाशवाणी कर्मी की हृदय गति रुकने से मौत

खुशियां मातम में बदली

**नवभारत,गोहपारू ( शहडोल )।** गोहपारू थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पैलवाह में एक अत्यंत दुखद घटना सामने आई है, जहां बेटे की शादी की विदाई की रस्मों के दौरान दूल्हे के पिता का हृदय गति रुकने से मौत हो गई। मृतक धर्मदास सिंह परस्ते, जो ग्राम गजनी (थाना जयसिंहनगर) के निवासी थे और आकाशवाणी में कार्यरत थे, उनकी मौत से दो गांवों में शोक की लहर दौड़ गई है।

### रंग-हाजिर के दौरान बिगड़ी तबीयत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, धर्मदास सिंह अपने सुपुत्र की बारात लेकर ग्राम पैलवाह आए थे। विवाह संपन्न होने के बाद, 28 अप्रैल की सुबह जब विदाई की तैयारियां चल रही थीं और परंपरा अनुसार 'रंग-हाजिर' खेला जा रहा था, तभी उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा। बताया गया है कि वे पूर्व से ही हृदय रोग से पीड़ित थे।

### गमगीन माहौल में विदाई

इस हृदयविदारक घटना के बाद बारात बिना किसी गाजे-बाजे और शोर-शराबे के अत्यंत सादगी के साथ विदा की गई। एक तरफ जहां नई बहू के स्वागत की तैयारी थी, वहीं दूसरी ओर परिवार के मुखिया की मौत से गजनी और पैलवाह दोनों ही क्षेत्रों में मातम पसरा हुआ है

### सीएचसी गोहपारू में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

परिजनों और उपस्थित ग्रामीणों द्वारा उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट॥ष्ट) गोहपारू ले जाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने सघन परीक्षण के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिस घर से बहू की डोली उठनी थी, वहाँ से पिता की अर्थी उठने की खबर ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया।

## नियम किताबों में कैद, जमीनी हकीकत में लूट : बंगवार खदान सवालों के घेरे में!

बंगवार में बेलगाम भ्रष्टाचार, कोयले से ज्यादा 'कमाई पर नजर!

**नवभारत, धनपुरी।** सोहागपुर एरिया की बंगवार भूमिगत खदान इन दिनों कोयले के उत्पादन से अधिक भ्रष्टाचार के अड्डे के रूप में चर्चाओं में है। क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित इस खदान में कथित अनियमितताओं और मनमानी का ऐसा जाल फैल चुका है कि नियम-कानून केवल कागजों तक सीमित होकर रह गए हैं। खदान से जुड़े उपभोक्ताओं (डीओ होल्डर्स) के बीच आक्रोश लगातार बढ़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है।

सूत्रों के अनुसार, खदान में पदस्थ टेक्निकल इंस्पेक्टर मुकेश तिवारी पर गंभीर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने पूरे सिस्टम को अपनी सुविधा के अनुसार संचालित करना शुरू कर दिया है। बताया जाता है कि न तो निर्धारित ड्रेस कोड का पालन किया जाता है और न ही नियमित उपस्थिति सुनिश्चित होती है। उपस्थिति दर्ज कर गायब हो जाने की प्रवृत्ति ने कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस पर निगरानी रखने वाले अधिकारी भी मौन साधे हुए हैं।

कोयला वितरण प्रक्रिया में भी बड़े स्तर पर गड़बड़ियों के आरोप सामने आ रहे हैं। नियमों के अनुसार जहां हैंड लोडिंग पर प्रतिबंध है और खदान से निकलने वाला रनिंग ऑफ माइंस (ऋहरू) कोयला ही उपभोक्ताओं को दिया जाना चाहिए, वहीं जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आती है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि यहां जबरन 'सेवा शुल्क' के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। मजदूरों के माध्यम से हैंड लोडिंग कराई जा रही है और साथ ही भारी वाहनों से लोडिंग के लिए दबाव बनाया जाता है। इतना ही नहीं, बेहतर गुणवत्ता का कोयला देने के नाम पर कथित तौर पर मोटी रकम वसूली जा रही है। जो उपभोक्ता इस अवैध मांग को पूरा नहीं करते, उन्हें विभिन्न बहानों से परेशान किया जाता है—कभी लोडिंग में देरी, कभी प्रतिबंध, तो कभी तकनीकी अड़चनें खड़ी कर दी जाती हैं। यह स्थिति न केवल उपभोक्ताओं के अधिकारों का हनन है, बल्कि सार्वजनिक उपक्रम की साख पर भी सीधा आघात है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत संबंधित सेल्स अधिकारियों से की, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन ही मिला।

## मैदानी अमला गर्भवती महिलाओं के संपर्क में रहे : कलेक्टर

कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों को भिजवाए एनआरसी केंद्र

जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की बैठक आयोजित

शहडोल । कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति एवं राष्ट्रीय पोषण मिशन अतंर्गत जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहडोल जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों को बेहतर उपचार कराए एवं स्वास्थ्य केंद्रों में दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं को लाभ जरूरतमंद मरीजों को अवश्य दें। कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती माताओं से स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला उनसे सतत रूप से संपर्क स्थपित करते हुए उन्हें आवश्यकतानुसार समय समय पर उपचार करें।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में कुपोषण मुक्त करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग समन्वय बनाकर कार्य करे और वरिष्ठ अधिकारी, मैदानी अमले द्वारा किए जा कार्यों की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें एन आर सी केंद्रों में भिजवाए तथा बच्चों को पोषण किट का भी वितरण प्राथमिकता के साथ किया जाए, कोई भी एन.आर.सी. केंद्रों की कोई भी सीटें रिक्त न रहे यह भी सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने सिकल सेल एनीमिया की रोकथाम हेतु किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया की जांच नियमित रूप से की जाए एवं सिकल सेल के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु गतिविधियां आयोजित करें। कलेक्टर ने 14 से 15 वर्षीय बेटियों को जिले में सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु लगाए जा रहे एच. पी. व्ही. वैक्सीनेशन की समीक्षा कर निर्धारित लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में अमोल पोर्टल, राष्ट्रीय क्षय नियंत्रक कार्यक्रम, प्रसव, जिला चिकित्सालय में और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, मुख्य कार्यपालन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अखिलेश मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

## एसईसीएल सोहागपुर की बुढार कोल साइडिंग में अनियमितताएं हावी

नियमो की उड़ रही धज्जियां

प्रदीप शर्मा

**नवभारत धनपुरी।** एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत बुढार साइडिंग में लगातार कार्य में अनवरत हो रही अनियमिताएं चर्चा का विषय बनी हुई है विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीनियर डोजर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत शिव सोनी के द्वारा कई प्रकार की अनियमितताओं को अंजाम दिया जा रहा है जो की प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है शिव जी सोनी जो की सिनियर डोजर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है उसके द्वारा शाहबाज अंसारी नाम के व्यक्ति को अपनी जगह पर नौकरी पर तैनात किया गया है जो की नियमों के खिलाफ है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शाहबाज अंसारी को दस हजार रुपए की मासिक तनख्वाह पर अपनी जगह कार्य पर रखकर शिव सोनी चांदी काट रहा है और अपने कार्यों के प्रति संवेदनहीनता बरत रहा है जिसकी भरपाई सोहागपुर प्रबंधन कर रही है अगर भविष्य में बुढार साइडिंग में किसी भी प्रकार की घटना घटित होती है तो उसकी जवाबदेही कौन लेगा शायद एसईसीएल प्रबंधन भी नही लेगी ऐसे में शिव जी सोनी द्वारा लगातार किया जा रहा कृत्य अक्षम्य का अपराध की श्रेणी में आता है

### यह है मामला

विश्वशनीय सूत्रों से मिली पुख्ता जानकारी के अनुसार शिव सोनी सीनियर डोजर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है लेकिन अपनी जगह पर उन्के द्वारा शाहबाज अंसारी को दस हजार रुपए के मासिक भुगतान पर कार्य कर रख खुद अपनी ड्यूटी कार्यस्थली से नदारद रहकर अपने काले कारनामों को अंजाम दिया जा रहा है और अपनी पकड़ का झुनझुना बजाकर एसईसीएल प्रबंधन को धोखे में रखकर कार्य नियमों के विरुद्ध शाहबाज अंसारी से करवाया जा रहा है किंतु एसईसीएल की सिक्योरिटी गार्ड कमला सिंह के इशारे पर एसईसीएल क्षेत्रांतर्गत कई जगह से अवैध वसूली को अंजाम दे रहा है बिना किसी अनुमति के प्रबंधन के बिना हस्ताक्षर के आधिकारिक रूप से कहीं पर भी नाम नही होने के बावजूद वह अपना सिक्का एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत बुढार साइडिंग में निरंतर चला रहा है और अनियमितताओं को अंजाम दे रहा है शिव जी सोनी के द्वारा रसीद काटना साथ ही वसूली में भी संलिप्त होने की खबरे चर्चाओं में हैं जो की एसईसीएल प्रबंधन को भी कटघरे में खड़ी करती हैं।

### इनका कहना है

इतने लंबे समय से यह नियम विरुद्ध कार्य लगातार अनवरत जारी था जो बिना इनके संरक्षण में संभव नहीं था । जब इस विषय पर बुढार साइडिंग मैनेजर बुढार ग्रुप के मैनेजर से बात की गई तो उन्होंने कहा आपके द्वारा प्रथम बार ऐसी शिकायत सूचना प्राप्त हुई है इस विषय पर जांच कराई जाएगी और दोषी के विरुद्ध कार्यवाई सुनिश्चित की जावेगी लेकिन हास्यास्पद बात यह है की श्री मनीष तिवारी के संरक्षण में ही लगातार यह कार्य मिलीभगत से अनवरत चल रहा था लेकीन जब बात सामने आई तो तिवारी जी सवालों के जवाब से बचते नज़र आए अगर इसकी जांच की जाए तो पर्दे के पीछे का असली चेहरा सामने नज़र आ जाएगा

**मनीष तिवारी**
**साइडिंग मैनेजर बुढार ग्रुप एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र**

## सुमन सरोवर तालाब में श्रमदान कर जल संरक्षण की ली शपथ

**नवभारत, शहडोल ।** कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान निरंतर प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान में आमजन उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए जल के संरक्षण एवं संवर्धन की अलख जगा रहें है। इसी अनुक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगरपालिका शहडोल के मैदानी अमले एवं जन सहयोग से शहडोल के सुमन सरोवर तालाब में जल संचयन हेतु साफ-सफाई का कार्य किया गया। उक्त कार्य में उपयंत्री सुखेंद्र सिंह तोमर, सिटी मैनेजर सत्यकाम मिश्रा, स्वास्थ्य निरीक्षक अनिल महोबिया सहित अन्य अधिकांरी-कर्मचारी, स्वच्छता मित्र एवं गणमान्य नागरिक ने श्रमदान कर जल के संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ भी ली।

## रीवा होटल का सड़क पर कब्जा, हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन?

वार्ड-36 के पार्षद ने सीएमओ को लिखा पत्र, एनएच-78 पर अतिक्रमण हटाने की मांग तेज

**नवभारत,शहडोल।** शहर में बढ़ते अतिक्रमण ने अब सीधे जनसुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उमरिया-शहडोल मार्ग (एनएच-78) पर रीवा होटल के सामने सड़क के बड़े हिस्से पर किए गए कब्जे को लेकर वार्ड क्रमांक-36 के पार्षद पूर्णेंदु मिश्रा ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी को कड़ा पत्र लिखते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पार्षद ने अपने पत्र में साफ कहा है कि लल्लू सिंह तिराहे से न्यू बस स्टैंड तक का मार्ग 4-लेन के रूप में विकसित किया गया है, जिसकी देखरेख और अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी नगर पालिका की है। बावजूद इसके, रीवा होटल के सामने सड़क की चौड़ाई पर अतिक्रमण कर वर्षों से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। पत्र के अनुसार, इस मार्ग की कुल चौड़ाई लगभग 30 मीटर है, जिसमें दोनों ओर 15-15 मीटर का क्षेत्र सुरक्षित रहना चाहिए। लेकिन मौके पर होटल द्वारा सड़क की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है, जिससे मार्ग संकरा हो गया है और वाहनों का दबाव बढ़ने से हादसों का खतरा लगातार बना हुआ है। कई बार दुर्घटनाओं की आशंका भी जताई गई है। इतना ही नहीं, सब्जी मंडी के आसपास भी बीच सड़क पर दुकानें सजने से रोज जाम की स्थिति बन रही है। अव्यवस्थित यातायात के चलते आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पार्षद मिश्रा ने यह भी उल्लेख किया है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भी सड़कों से अतिक्रमण हटाने के स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं, इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग की निष्क्रियता सवालों के घेरे में है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में प्रशासन से मांग की है कि रीवा होटल और अन्य स्थानों पर हुए अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए, अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।अब बड़ा सवाल यह है किकृक्या प्रशासन हादसे के बाद जागेगा या समय रहते कार्रवाई करेगा?

मांग | समाजसेवी वर्षा तनेजा ने आयुक्त को लिखे दो पत्र, छात्रों की सुविधा और तकनीकी शिक्षा विस्तार पर जोर

## शहडोल में परीक्षा केंद्र और नई इंजीनियरिंग शाखाओं की मांग तेज

**नवभारत,शहडोल।** वर्षा योग एवं समाज सेवा समिति की समाजसेवी वर्षा तनेजा ने शहडोल संभाग के आयुक्त को दो अहम पत्र भेजकर छात्रों के हित में ठोस कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने एक ओर जहां जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थायी केंद्र स्थापित करने की जरूरत बताई है, वहीं दूसरी ओर शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज शहडोल में नई शाखाएं शुरू करने का आग्रह किया है।पहले पत्र में तनेजा ने उल्लेख किया कि जिले के हजारों विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर परीक्षा केंद्र नहीं होने के कारण उन्हें भोपाल, जबलपुर और इंदौर जैसे दूरस्थ शहरों की ओर रुख करना पड़ता है। इससे छात्रों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है, साथ ही शारीरिक थकान और मानसिक दबाव भी झेलना पड़ता है। विशेषकर छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बनी रहती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि जिले के उपलब्ध स्कूल-कॉलेजों को अधिकृत कर नियमित परीक्षा केंद्र बनाए जाएं और ऑनलाइन व ऑफ्लाइन दोनों प्रकार की परीक्षाओं के लिए सुविधाएं विकसित की जाएं।दूसरे पत्र में वर्षा तनेजा ने शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज शहडोल में नई इंजीनियरिंग शाखाएं शुरू करने की आवश्यकता जताई है। उन्होंने बताया कि कॉलेज में पर्याप्त संसाधन और बुनियादी ढांचा मौजूद होने के बावजूद वर्तमान में केवल मैकेनिकल और माइनिंग इंजीनियरिंग ही संचालित हो रही हैं। इससे कॉलेज की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है और कई छात्र अन्य शहरों का रुख करने को मजबूर हैं।

तनेजा ने बीई, इलेक्ट्रिकल और सिविल इंजीनियरिंग शाखाओं को शीघ्र प्रारंभ करने के साथ ही भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम जोड़ने का सुझाव दिया है। उनका कहना है कि इससे न केवल छात्रों का पलायन रुकेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और जिले के समग्र विकास को गति मिलेगी। समाजसेवी वर्षा तनेजा ने आयुक्त से आग्रह किया है कि वे संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि संभाग के युवाओं को बेहतर शैक्षणिक और प्रतिस्पर्धात्मक अवसर मिल सकें।